Title : Drought situation in North India.

श्री घनश्याम अनुरागी (जालौन): अध्यक्ष महोदया, आज पूरे देश में बरसात की स्थिति बहुत खराब है। यह कृÂिष पर आधारित देश है। पानी न बरसने की स्थिति में पूरे देश में काफी किसानों को दिक्कत आ रही है, उन्हें संकट का सामना करना पड़ रहा है।...(व्यवधान) अकाल पड़ रहा है। मैं बुंदेलखंड के जनपद जालौन का रहने वाला हूं। पूरे बुंदेलखंड में, चाहे उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड हो या मध्य प्रदेश का बुंदेलखंड हो, चाहे बुंदेलखंड से लगे हुए फतहपुर, कानपुर तथा सौ किलोमीटर की दूरी के जिले हों, वे सब प्रभावित हैं। लगातार सात सालों से पानी नहीं बरस रहा है जिससे किसानों की स्थिति दयनीय होती जा रही है। किसान मजदूर हो गया है और मजदूर भूखा मरने लगा है।

यहां माननीय सोनिया गांधी जी बैठी हुई हैं। चुनाव से पहले राहुल गांधी जी झांसी गए थे। वे वहां के जिन-जिन गांवों में गए थे, उन्होंने कहा था कि हम आपके यहां विकास करवाएंगे, पानी की व्यवस्था करवाएंगे। लेकिन हम कहना चाहते हैं कि सरकार बनने के बावजूद उन गांवों में एक हैंड पम्प की व्यवस्था भी नहीं की गई है। हमारा लोक सभा क्षेत्र पड़ रहा है। माननीय प्रदीप जैन जी मंत्री हैं। उनका भी लोक सभा क्षेत्र पड़ रहा है। क्या एक हैंड पम्प की व्यवस्था भी की गई? नहीं की गई। आज स्थिति यह है कि पूरा बुंदेलखंड पलायन करने लगा है जिससे शिक्षा प्रभावित होगी। वहां के पानी का स्तर नीचे चला गया है।...(व्यवधान) पीने के पानी तक के लिए व्यवस्था नहीं है।...(व्यवधान) हमारे लोक सभा क्षेत्र में यमुना सहित पांच नदियां एक साथ मिली हुई हैं जिसे पंचनदा कहते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि उस पर तत्काल बांध बनाया जाये, जिससे इस समस्या का स्थायी समाधान हो सके। ऐसा करने से बिजली पैदा होगी और खेतों को भी पानी मिल सकेगा। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया शांत हो जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री घनश्याम अनुरागी : पूरे प्रदेश में हाहाकार मचा हुआ है और सरकार बिल्कुल चुप बैठी हुई है।..(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया उन्हें बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री घनश्याम अनुरागी : हम आपसे प्रार्थना करेंगे कि सांसदों को कम से कम हैंड पम्प लगाने की अनुमति दी जाए।...(व्यवधान) बुंदेलखंड में सांसद निधि से हैंड पम्प लगवा दिए जाएं।...(व्यवधान) मैं कहना चाहता हूं कि प्रत्येक जिले में दो हजार हैंडपम्प की व्यवस्था करायी जाये, जिससे गांव के लोग पानी के संकट से निजात पा सकें। ...(व्यवधान) हम आपसे विशेष प्रार्थना करेंगे कि किसानों के आज तक के कर्जे माफ हो जाने चाहिए, बैंक से आज तक जो ऋण दिए गए हैं, वे माफ किए जाएं...(व्यवधान) मजदूरों को 365 दिन मजदूरी दी जाए।

जहां तक आप NREGA की बात करते हैं, मैं जिस क्षेत्र का रहने वाला हूं,...(व्यवधान) नरेगा अधिकारियों की मंशा काम करने की नहीं है, इसलिए उसे प्रदेश सरकार नहीं, बल्कि केन्द्र के नियंत्रण में रखने की जरूरत है। क्योंकि प्रदेश सरकार और उनके अधिकारी इस योजना को मृतक लोगों के फर्जी आंकड़े दिखाकर धन की बंदरबाट कर रहे हैं। मेरे जनपद में एक परियोजना निदेशक हैं। उन्होंने नरेगा के नाम पर सामान खरीद लिया है। अधिकारियों द्वारा छः लाख रुपये, दस लाख रुपये का सामान, जैसे हसिया, खुरपी, गेती आदि बहुत सा अनउपयोगी सामान जिले स्तर से खरीदकर वहां भेजे गए हैं।...(व्यवधान) यदि इसे ग्राम पंचायत स्वयं खरीदती, तो उसे उसकी उपयोगिता के बारे में पता चलता और भ्रÂटाचार से बचा जा सकता था। ...(व्यवधान) एक-एक गांव में पांच-पांच छः-छः लाख का सामान खरीदा गया है। यह बंदरबांट हो रहा है।...(व्यवधान) नरेगा के पैसे को उत्तर प्रदेश की सरकार और अधिकारी बंदरबांट करके खाना चाहते हैं।...(व्यवधान) मैं आपसे विनती करता हूं कि इसकी व्यवस्था करने की जरूरत है।...(व्यवधान) यह गंभीर मामला है।...(व्यवधान) हमारी बात नहीं सुनी जा रही है।...(व्यवधान) योजना आयोग के पास विशेष पैकेज की स्वीकृति के लिए भेजा गया है। मैं कहना चाहता हूं कि उस विशेष पैकेज के लिए शीघ्र ही स्वीकृति प्रदान की जाये। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि उसमें पंचनदा बांध को प्राथमिकता के तौर पर रखा जाये। ...(व्यवधान) वहां राहत दी जाए।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Shri Yashwant Sinha, Shri Jagdish Sharma, and Shri Shailendra Kumar have given their notices on the same matter. They are also associating themselves with this.

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप कृपया बैठिए। श्री संजय निरुपम बोलेंगे।

â€¦(व्यवधान)